

Jap Mala

जपमाला के संस्कार

कबीर जी ने कहा है -

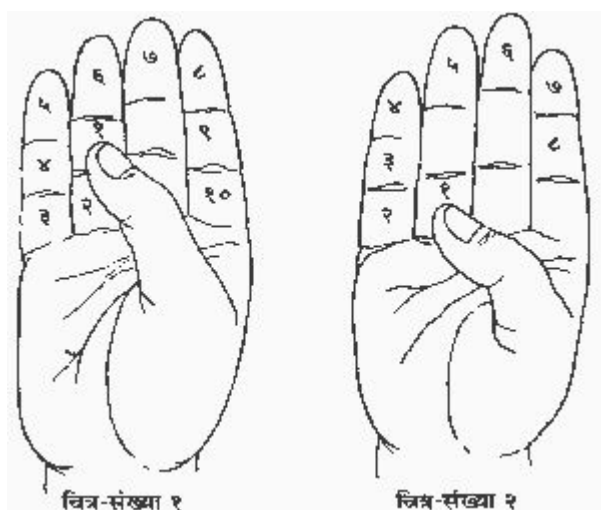
माला फेरत जुग भया, मिटा ना मन का फेर ।

कर का मन का छाड़ि के, मन का मनका फेर ॥

माला के सम्बन्ध में शास्त्रों में बहुत विचार किया गया है । यहाँ संक्षेप में उसका कुछ थोड़ा-सा अनुमान मात्र दिया जाता है -

माला प्रायः तीन प्रकार की होती है - कर-माला, वर्ण-माला तथा मणि-माला ।

कर-माला:-



अँगुलियों पर जो जप किया जाता है, वह करमाला का जप है । यह दो प्रकार से होता है -

एक तो अँगुलियों से ही गिनना और दूसरा अँगुलियों के पर्वों पर गिनना । शास्त्रतः दूसरा प्रकार ही स्वीकृत है । इसका नियम (चित्र संख्या ०१) यह है कि अनामिका के मध्यभाग से नीचे की ओर चले, फिर कनिष्ठा के मूल से अग्रभाग तक और फिर अनामिका तथा मध्यमा के अग्रभाग पर होकर तर्जनी के मूल तक जाए । इस क्रम में अनामिका के दो, कनिष्ठा के तीन, पुनः अनामिका का एक, मध्यमा का एक और तर्जनी के तीन पर्व - कुल दस संख्या होती है । मध्यमा के दो पर्व सुमेरु के रूप में छूट जाते हैं । साधारणतः करमाला का यही क्रम है, किन्तु अनुष्ठान भेद से इसमें अन्तर भी पड़ता है । जैसे शक्ति के अनुष्ठान में अनामिका के दो पर्व, कनिष्ठा के तीन, पुनः अनामिका का अग्रभाग एक, मध्यमा के तीन और तर्जनी का एक मूल पर्व-इस प्रकार दस संख्या पूरी होती है । श्रीविद्या में इससे



COLLECTION OF VARIOUS
-> HINDUISM SCRIPTURES
-> HINDU COMICS
-> AYURVEDA
-> MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**

KAPWING



COLLECTION OF VARIOUS
-> HINDUISM SCRIPTURES
-> HINDU COMICS
-> AYURVEDA
-> MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**



KAPWING

भिन्न नियम है। मध्यमा का मूल एक, अनामिका का मूल एक, कनिष्ठा के तीन, अनामिका और मध्यमा के अग्रभाग एक-एक और तर्जनी के तीन – इस प्रकार दस संख्या पूरी होती है।

कर-माला से जप करते समय अँगुलियाँ अलग-अलग नहीं होनी चाहिए। थोड़ी-सी हथेली मुड़ी रहनी चाहिए। मेरु का उल्लंघन और पर्वों की सन्धि (गाँठ) – का स्पर्श निषिद्ध है। हाथ को हृदय के सामने लाकर, अँगुलियों को कुछ टेढ़ी करके वस्त्र से उसे ढककर दाहिने हाथ से ही जप करना चाहिये। जप अधिक संख्या में करना हो, तो इन दशकों को स्मरण नहीं रखा जा सकता। इसलिये उनको स्मरण करने के लिये एक प्रकार की गोली बनानी चाहिये। लाक्षा, रक्त-चन्दन, सिन्दूर और गौ के सूखे कण्डे को चूर्ण करके सबके मिश्रण से चह गोली तैयार करनी चाहिये। अक्षत, अँगुली, अन्न, पुष्प, चन्दन अथवा मिट्टी से उन दशकों का स्मरण निषिद्ध है। माला की गिनती भी इनके द्वारा नहीं करनी चाहिये।

वर्ण-माला:-

अक्षरों के द्वारा संख्या करना। यह प्रायः अन्तर्जप में काम आती है, परन्तु बहिर्जप में भी इसका निषेध नहीं है। वर्ण-माला के द्वारा जप करने का प्रकार यह है कि पहले वर्णमाला का एक अक्षर बिन्दु लगाकर उच्चारण कीजिये और फिर मन्त्र का – इस क्रम में अ-वर्ग के सोलह (अ आ इ ई उ ऊ ऋ ॠ लृ लृ ए ऐ ओ औ अं अः) क-वर्ग से प-वर्ग तक के पच्चीस (क ख ग घ ङ च छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध न प फ ब भ म) और य-वर्ग के ह-कार तक आठ (य र ल व श ष स ह) और ङ-कार एक (ङ)। इस प्रकार पचास की गिनती होती है। “क्ष” को सुमेरु माते हैं, इसका उल्लंघन नहीं करते हुए पुनः ङ-कार से विपरित गिनते हुए सौ तक की गिनती होती है। संस्कृत में ‘त्र’ और ‘ज्ञ’ स्वतन्त्र अक्षर नहीं, संयुक्ताक्षर माने जाते हैं। इसलिये उनकी गणना नहीं होती। वर्ग भी सात नहीं, आठ माने जाते हैं। आठवाँ श-कार से प्रारम्भ होता है। इनके द्वारा ‘अं कं चं टं तं पं यं शं’ यह गणना करके आठ बार और जपना चाहिये – ऐसा करने से जप संख्या १०८ हो जाती है।

ये अक्षर तो माला के मणि हैं। इनका सूत्र है कुण्डलिनी शक्ति। वह मूलाधार से आज्ञा-चक्र-पर्यन्त सूत्र-रूप से विद्यमान है। उसीमें ये सब स्वर-वर्ण मणि-रूप से गुथे हुए हैं। इन्हीं के द्वारा आरोह और अवरोह क्रम से जप करना चाहिये। इस प्रकार जो जप होता है, वह सद्यः सिद्धि-प्रद होता है।

वर्ण-माला में जप की विधि के उदाहरण –

B.R.VYAS-9829053681 BIKANER



COLLECTION OF VARIOUS
-> **HINDUISM SCRIPTURES**
-> **HINDU COMICS**
-> **AYURVEDA**
-> **MAGZINES**

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with

By
Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**

 **KAPWING**



COLLECTION OF VARIOUS
-> HINDUISM SCRIPTURES
-> HINDU COMICS
-> AYURVEDA
-> MAGZINES

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with



By

Avinash/Shashi

**Icreator of
hinduism
server!**

 **KAPWING**

